न्यूज डायरी

लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती बना ड्रैगन, भारत–चीन टकराव इसका उदाहरण

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ताइपे। ताइवान के नैशनल डे पर दिए अपने भाषण में देश की राष्ट्रपति त्साई इंग वेन ने चीन पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि चीन दुनियाभर के लोकतंत्रों के लिए चुनौती बन गया है और भारत–चीन सीमा पर झड़प इसका उदाहरण है। राष्ट्रपति वेन ने यह भी कहा कि चीन अगर अगर समानता और गरिमा बनाए रखता है और दोनों के बीच संबंध सुधारना चाहता तो हम सार्थक बातचीत के लिए तैयार हैं। राष्ट्रपति वेन ने अपने भाषण में कहा, श्दक्षिण चीन सागर में विवाद, चीन–भारत सीमा पर झड़प, हॉन्ग कॉन्ग में चीन का दमन यह स्पष्ट रूप से दिखाता है कि हिंद–प्रशांत इलाके में लोकतंत्र, शांति और समृद्धि गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम अपनी रक्षा की क्षमता को बढ़ा रहे हैं और सेना हमारा भविष्य है और इसे लगातार मजबूत करने के लिए काम करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि हम लगातार देश में अत्याधुनिक हथियार और सबमरीन बना रहे हैं।

ताइवान के नैशलन डे पर भी चीनी ड्रैगन उसे धमकाने से बाज नहीं आया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ताइपे। ताइवान के नैशलन डे पर भी चीनी ड्रैगन धमकाने से बाज नहीं आया। चीन ने शुक्रवार शाम को नैशनल डे की पूर्व संध्या पर अपने लड़ाकू विमान ताइवान की सीमा के पास भेजे। ताइवन की सेना ने भी करारा जवाब देते हुए उन्हें तत्काल भगा दिया। चीन ने इस साल अब तक 2,972 बार से ज्यादा अपने फाइटर जेट ताइवान की सीमा के पास भेजे हैं। चीन के युद्धक विमानों को भगाने पर ही ताइवान को करीब 90 करोड़ डॉलर खर्च करना पड़ा है। ताइवान के उपराष्ट्रपति लाइ चिंग टे ने ट्वीट करके बताया कि चीन ने हमारे ताइवान नैशनल डे की पूर्व संध्या पर एक बार फिर से हमें भड़काने के लिए अपने युद्धक विमान भेजे। लेकिन यह हमारे जश्न को नहीं रोक सकेगा। यह हमें क्षेत्र में शांति और स्थिरता की रक्षा करने से रोक नहीं सकेगा। इससे पहले ताइवान के रक्षा मंत्री ने कहा था कि चीन के लगातार लड़ाकू विमानों के भेजने से हमारी सेना पर दबाव काफी बढ़ गया है।

1944 में आज ही के दिन 800 बच्चों को गैस चेंबर में डालकर की गई थी हत्या

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। आज का दिन इतिहास के पन्नों में हमेशा काली स्याही से दर्ज किया जाएगा। आज ही के दिन 10 अक्टूबर 1944 को 800 रोमानी बच्चों की हत्या कर दी गई थी। इनमें से 100 तो ऐसे बच्चे थे जिनकी उम्र 9 से 14 साल के बीच थी। हिटलर की हैवानियत तो सबको पता है लेकिन कम ही लोग इस घटना के बारे में जानते होंगे। हिटलर की हैवानियत का सबसे बड़ा सेंटर था, पोलैंड का ऑश्वित्ज। ये नाजी हुकूमत का सबसे बड़ा कंसंट्रेशन कैंप यानी नजरबंदी शिविर था। नाजी खुफिया एजेंसी एसएस यहां पर यूरोप भर से यहूदियों को पकड़कर ले आती थी। इनमें से कई लोगों को तो कैंप पहुंचते ही गैस चौम्बर में डालकर मार डाला जाता था। वहीं बहुत से ऐसे भी थे जिन्हें मौत के लिए महीनों तक घुट–घुटकर जीना होता था। उनके सिर के बाल साफ कर दिए जाते थे। कपड़े उतारकर चीथड़े पहना दिए जाते थे।

पाकिस्तान में गायक की गोली मारकर हत्या

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) क्वेटा। पाकिस्तान में मोटरसाइकिल पर सवार बंदूकधारियों ने एक लोकप्रिय स्थानीय गायक और एक मानवाधिकार कार्यकर्ता के पिता की उनके घर के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। देश के अशांत दक्षिण पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत के तुर्बत शहर में बृहस्पतिवार को यह घटना हुई। मारे गए गायक हनीफ चमरोक, महिला अधिकार कार्यकर्ता तैय्यबा बलूच के पिता हैं। बलूच पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की मुखर आलोचक रही है, जो अक्सर बलूचिस्तान में आतंकवादियों से कथित संबंधों को लेकर संदिग्धों को हिरासत में लेते रहते हैं। स्थानीय पुलिस प्रमुख रोशन अली ने कहा कि हत्या के मकसद का तुरंत पता नहीं चल सका है और किसी ने भी हत्या की जिम्मेदारी नहीं ली है। गोली चलाने के बाद बंदूकधारी फरार हो गये।

सोती रही दुनिया, रातभर गरजे तानाशाह किम के फाइटर जेट!

झटका

उत्तर कोरिया के सैन्य परेड के आयोजन की अटकलें तेज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया के बहुचर्चित सैन्य परेड का बेसब्री से इंतजार कर रहे दुनियाभर के लोगों को बड़ा झटका लगता दिख रहा है। दक्षिण कोरिया की मीडिया में आई खबरों में कहा जा रहा है कि उत्ध्तर कोरिया की सैन्य परेड पहले ही संपन्न हो चुकी है। सूत्रों के मुताबिक उत्तर कोरिया ने शनिवार की अलसुबह ही सैन्य परेड़ का आयोजन पूरा कर लिया है। इसे मध्यरात्रि से सुबह दो बजे के बीच अंजाम दिया गया।

दक्षिण कोरिया की न्यूज वेबसाइट एनके न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया कि उन्हें रातभर उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के ऊपर फाइटर जेट के उड़ने की जानकारी मिली है। उनके साथ ड्रोन विमान और घातक हथियार भी दिखाई दिए। उन्होंने यह भी बताया कि शुक्रवार की देररात और शनिवार की अल सुबह तक जोरदार आतिशबाजी हुई। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ

स्टॉफ ने शनिवार को कहा कि ऐसा लगता है कि उत्तर कोरिया ने पहले ही सैन्य परेड का आयोजन कर लिया है।

विदेशी राजनयिकों को भी परेड में नहीं जाने दिया गया। उन्होंने कहा कि सैन्य परेड में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इस पूरे घटनाक्रम पर दक्षिण कोरिया और अमेरिका की खुफिया एजेंसियां नजदीकी से निगरानी कर रही हैं। बताया जा रहा है कि उत्तर कोरिया में सरकारी अखबार भी अभी प्रकाशित नहीं हुआ है। माना जा रहा है कि उत्तर कोरिया अपने घातक हथियारों को छिपाना चाहता है ताकि दुनियाभर को इसकी सटीक जानकारी न मिल सके। इस पूरे कार्यक्रम को कितना सीक्रेट रखा गया था कि इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि विदेशी राजनयिकों को भी परेड में नहीं जाने दिया गया।

बता दें कि किलर मिसाइलों को पागलों की हद तक पसंद करने वाले उत्तर कोरिया के क्रूर तानाशाह किम जोंग उन ने एक बेहद घातक नई परमाणु मिसाइल बनाई है जो पूरे अमेरिका के किसी भी शहर को तबाह कर सकती है। उत्तर कोरिया के मिसाइल बनाने की यह खबर ऐसे समय पर आई है जब किम जोंग उन और पश्चिमी देशों के बीच बातचीत रुक गई है। इस मिसाइल का नाम नाम Hwasong–15 है और माना जा रहा है कि किम जोंग उन ने इसे सैन्य परेड में पेश किया है। हालांकि अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि किम जोंग उन के सैन्य परेड का मुख्य आकर्षण Hwasong–15 मिसाइल है।

शरीफ को भगोड़ा घोषित होने से बचने के लिये 24 नवंबर तक पेश होने कहा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को भगोड़ा घोषित होने से बचने के लिये 24 नवंबर तक अदालत में पेश होने का आदेश दिया है। दरअसल, शरीफ ने लंदन स्थित अपने आवास पर गैर जमानती गिरफ्तारी वारंट स्वीकार करने से कथित तौर पर इनकार कर दिया, जिसके बाद अदालत का यह आदेश आया है। शरीफ अपने इलाज के सिलसिले में पिछले साल नवंबर से लंदन में ठहरे हुए हैं। उल्लेखनीय है कि अदालतों और सरकार ने उन्हें इलाज की खातिर आठ हफ्तों के लिये वहां जाने की इजाजत दी थी। लेकिन वह वापस नहीं आये हैं, जबकि उनके वकीलों ने अदालत से कहा कि वह अभी रोग से उबर रहे हैं।

डॉन अखबार की खबर के मुताबिक, इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार ने अल अजीजिया एवं एवेनफील्ड रिश्वत मामले में शरीफ की अपील पर कार्यवाही के बारे में शुक्रवार को एक लिखित आदेश जारी किया। अदालत ने सात अक्टूबर को प्रथम सचिव (दूतावास मामलों), दिलदार अल एब्रो और लंदन स्थित पाकिस्तान उच्चायोग के काउंसलर अताशे राव अब्दुल हन्नान तथा विदेश मंत्रालय में यूरोप–1 के लिये निदेशक मोहम्मद मुबशीर खान के बयान दर्ज किये थे।

अमेरिका ने रूस में तबाही की तैयारी पूरी की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अमेरिका। रूस और अमेरिका समेत नाटो देशों के बीच तनाव गहराता जा रहा है। रूस और नाटो देशों के फाइटर जेट्स के बीच ब्लैक सी और नार्वे के पास आर्कटिक इलाके में आकाश में तनातनी बढ़ती जा रही है। रूस के इसी खतरे से निपटने की तैयारी के लिए अमेरिका ने पिछले दिनों अपने 6 B–52 परमाणु बमवर्षक विमान ब्रिटेन भेजे थे। ये विमान अब लौट अपने यूएस एयरफोर्स के होम बेस डकोटा लौट गए हैं। ब्रिटेन के फेयरफोर्ड हवाई ठिकाने पर तैनाती के दौरान इन बॉम्बर्स ने 57 बार उड़ान भरी थी। ये बॉम्बर 120 अत्यंत घातक क्रूज मिसाइलों से लैस थे और अफ्रीका तथा यूरोप में कहीं भी परमाणु हमला करने में सक्षम थे। ब्रिटेन में तैनाती के दौरान अमेरिकी बॉम्बर्स ने 57 बार उड़ान भरी और 30 देशों के 100 अन्य फाइटर जेट के साथ युद्धाभ्यास किया।

दुनिया के सबसे खतरनाक स्थान पर दिखी विशाल तितली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

चेर्नोबिल। दुनिया के सबसे खतरनाक स्थ्थानों में शुमार यूक्रेन के चेर्नोबिल परमाणु पावर प्ल्लांट के दुर्घटनास्थल के पास एक विशाल तितली देखी गई है। इस तध्तिली के पंख इतने बड़े हैं कि यह देखने में किसी पक्षी की तरह से नजर आ रही है। उसे चेर्नोबिल प्लांट के विशेष जोन के अंदर देखा गया है। रेडिएशन एंड इकोलॉजिकल बॉयोस्फेयर रिजर्व के वैज्ञानिकों ने इसकी पहचान की है।

इन वैज्ञानिकों ने इस तितली की तस्वीर को रिजर्व के फेसबुक पेज पर शेयर किया है। रेडिएशन एंड इकोलॉजिकल बॉयोस्फेयर

चेर्नोबिल प्लांट के विशेष जोन के अंदर देखा गया है

रिजर्व के वैज्ञानिकों ने बताया कि यह तितली म्युटेशन का परिणाम नहीं है बल्कि यहां पाई जाने वाली एक खास और दुर्लभ प्रजाति की तितली है। इसे ब्जवबंसं तिं•पदप के नाम से जाना जाता है। इस खूबसूरत तितली के पंख नीले होते हैं।

तितली को यूक्रेन में संकटग्रस्त प्रजाति के अंदर रखा गया: रिजर्व ने अपने बयान में कहा, इस तितली को यूक्रेन में संकटग्रस्त प्रजाति के अंदर रखा गया है। कटोकला फ्राक्सिनी यूक्रेन और यूरोप में पाई जाने वाली सबसे बड़ी तितलियां में से एक है। इस तितली के आगे के पंख 45 मिलीमीटर और उड़ान के दौरान पंखों का फैलाव 110 एमएम तक हो सकता है। यह तितली उड़ान के दौरान सुखद लगती है। इसके अंदर के पंखे रात को सक्रिय होते हैं जो नीले रंगे के होते हैं। रात में प्रकाश में ये पंख बहुत सुंदर लगते हैं। जब बारिश बंद होगी तो हम इस तितली को उसके सबसे पसंदीदा चिनार के पेड़ पर ले जाएंगे।

बता दें कि चेर्नोबिल प्लांट के विशेष जोन का निर्माण पावर प्लांट में भीषण दुर्घटना के बाद वर्ष 1986 में किया गया था। यह दुनिया के इतिहास में अब तक की सबसे भीषण दुर्घटना मानी जाती है। इसमें तत्काल करीब 100 लोग मारे गए।

चीनी दूतावास के बाहर लगे ताइवान को बधाई देने वाले पोस्टर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। चीन का सरकारी भोंपू ग्लोबल टाइम्स राजधानी नई दिल्ली में चीनी दूतावास के बाहर दिल्ली बीजेपी के नेता तजिंदर बग्गा के ताइवान नैशनल डे के पोस्टर लगाने पर भड़क उठा है। ग्लोबल टाइम्स ने कहा कि यह आग से खेलने जैसा काम है और इससे पहले से खराब चल रहे भारत–चीन संबंध और ज्ध्यादा खराब होंगे। चीनी अखबार ने कहा कि भारत की सत्तारूढ़ बीजेपी मूर्खों जैसा व्यवहार छोड़े और यह समझे कि वह आग से खेल रही है।

ग्लोबल टाइम्स ने चीनी विशेषज्ञ लियू काइयू के हवाले से कहा कि बीजेपी नेता ने यह कदम ऐसे समय पर उठाया है जब भारतीय मीडिया ने ताइवान के नैशनल डे का समर्थन किया है और सहयोग किया है। साथी भारतीय विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने भारतीय मीडिया के एक चीन की नीति का सम्ध्मान नहीं करते हुए अपने विचारों को प्रकाशित करने के अधिकारों का समर्थन किया है। कथित चीनी विशेषज्ञ ने कहा कि भारत का ताइवान के सवाल पर भड़काने का प्रयास भारत–चीन रिश्तों पर ऐसा असर डालेगा जिसे शफिर ठीक नहीं किया जा सकेगा।